खोज ख़बर

जनवरी–मार्च, 2014

संदेश

विद्या भवन न्यूज लेटर ''खोज–ख़बर'' के प्रथम अंक को मैंने उत्सुकता से पढ़ा। विद्या भवन द्वारा संचालित सभी संस्थाओं में हुए विभिन्न शैक्षणिक एवं शैक्षणेत्तर गतिविधियों का लेखा–जोखा इस न्यूजलेटर के माध्यम से प्रकाशित करने का प्रयास, विद्या भवन को अन्य संस्थाओं तथा हितैषियों को आपस में एक कड़ी के रूप में जोड़ेगा, ऐसा मैंने महसूस किया है।

21वीं शताब्दी के बदलते परिवेश में सूचनाओं के आदान–प्रदान, उनका नयापन और तत्काल दूसरों के पास पहुंचने का विशेष महत्त्व है। सीखने की प्रक्रिया से हम सभी में बदलाव होना आवश्यक है। हम इस प्रक्रिया को चुनौती के रूप में लेते हुए कैसे निर्णय लेते हैं और क्या कार्य करते हैं, वही महत्त्वपूर्ण है।

मुझे विश्वास है कि शीघ्र ही यह न्यूजलेटर त्रैमासिक होगा, वेबसाईट के माध्यम से इसका और अधिक प्रचार–प्रसार होगा तथा विद्या भवन का बाहरी दुनिया से शैक्षणिक एवं सामाजिक जुड़ाव होगा।

एस.पी. गौड़
व्यवस्था सचिव
विद्या भवन सोसायटी

ऋषि ऋण अदा कर रहे हैं विद्या बंधु

विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल के साथ पूर्व छात्र–छात्राओं का आत्मीय जुड़ाव रहा है। पूर्व विद्यार्थियों के संगठन– विद्या भवन विद्या बन्धु संघ– ने स्कूल के इन्फ्रास्ट्रक्चर में सुधार का बीड़ा उठाया है और इस कार्य हेतु सहयोग की अपील की है। इसकी शुरूआत विद्या बन्धु श्री बिपिन एवं श्रीमती हर्टा मेहता द्वारा वर्ष 2013 में करीब 15 लाख रुपए प्रदान करने के साथ हुई। विद्या बन्धु फाउण्डेशन द्वारा दो कक्षा–कक्षों का नवीनीकरण पूर्ण कर लिया गया है। इसके तहत नया ग्लास–बोर्ड व फर्शी की गई है; दीवार, अलमारियां और रोशनदान की मरम्मत हुई है, नई इलेक्ट्रिक फिटिंग के साथ ही पंखे व लाइटें लगाई गई हैं, रंगाई–पुताई की गई है और फर्नीचर नया किया गया है। एक–एक करके सभी कक्षा–कक्षों का नवीनीकरण किया जा रहा है। विद्या बंधु संघ द्वारा जूनियर स्कूल के नवीनीकरण की योजना भी तैयार की गई है। कुछ ही समय पूर्व 1977–78 बैच के विद्या बन्धुओं, विद्या बन्धु फाउण्डेशन और विद्या भवन सोसायटी के सहयोग से सीनियर स्कूल में पेयजल के स्थान का नवीनीकरण किया गया और आर.ओ. व कूलर लगाया गया है।

विद्या भवन की सभी संस्थाओं ने उत्साह के साथ 65वां गणतंत्र दिवस मनाया। सोसायटी अध्यक्ष रियाज तहसीन ने विद्या भवन के आदर्शों एवं उद्देश्यों के प्रति संस्था की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने विशिष्ट उपलब्धियां प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों व खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया।

अंदर देखें...

- वैबसाइट्स् पर पाएं विद्या भवन की जानकारी 2
- रामगिरि की छात्राएं वॉलीबॉल में चैम्पियन 4
- सड़क सुरक्षा सप्ताह के दौरान बनाए पोस्टर 5
- विद्यालय अवलोकन के आयाम पर कार्यशाला 8
- 'उन्मुक्त गगन' शिविर राजसंमद में 9
- पुस्तकालय शिक्षक के लिए छःमाही पाठ्यक्रम 11
- विद्या भवन स्कूल में वार्षिक प्रोजेक्ट कार्य 14
- याद रहेंगे प्रो. जगत मेहता 16

सम्पादकीय...

खोज खबर का प्रकाशन जुलाई, 1999 में आरम्भ हुआ और सितम्बर, 2010 तक अनवरत प्रकाशन के उपरान्त, लगभग तीन वर्षों के अंतराल पश्चात् इसका प्रकाशन पुनः आरम्भ हुआ है। नए कलेवर में प्रथम अंक के बारे में पाठकों ने अच्छी प्रतिक्रिया दी है, यह हमारे लिए उत्साह का विषय है। निर्णयानुसार यह न्यूज लेटर अब त्रैमासिक प्रकाशित होगा।

इस अंक में संस्थाओं की न्यूज़ के साथ विद्या भवन मानव संसाधन एवं विधि विभाग तथा अकाउण्ट्स और फाइनेन्स के अतिरिक्त विद्या भवन के प्रकाशनों की जानकारी भी है।

हमें अपने पाठक वर्ग से आलेखों, अनुभवों व सुझावों की प्रतीक्षा रहेगी।

वैबसाइट्स् पर पाएं विद्या भवन की जानकारी

विद्या भवन सोसायटी और उसके विभिन्न संस्थानों के बारे में अब इन्टरनेट पर जानकारी प्राप्त की जा सकती है। विद्या भवन सोसायटी सहित विद्या भवन के 8 संस्थानों की वैबसाइट्स् हाल ही में 'लाइव' हो चुकी हैं। कुल 13 वैबसाइट्स् का निर्माण किया जाएगा। इन वैबसाइट्स् को विद्या भवन सोसायटी के स्तर पर नियमित अपडेट किया जा रहा है। विद्या भवन सोसायटी की वैबसाइट पर विद्या भवन के इतिहास, संस्थाओं के निर्माण और प्रमुख गतिविधियों का उल्लेख है। संस्थाओं की वैबसाइट्स् पर संबंधित संस्था के बारे में सभी प्रमुख जानकारियां प्राप्त की जा सकती हैं। वैबसाइट्स् की संस्थानवार सूची निम्नलिखित है:

क्र.सं.	संस्थान	वैबसाईट
01.	विद्या भवन सोसायटी	www.vidyabhawan.org
02.	विद्या भवन गांधी शिक्षा संस्थान	www.vbgies.org
03.	विद्या भवन पब्लिक स्कूल	www.vbpublicschool.org
04.	विद्या भवन रूरल इन्स्टीट्यूट	www.vbriudaipur.org
05.	विद्या भवन प्रकृति साधना केन्द्र	www.vbpsk.org
06.	विद्या भवन एजुकेशन रिसोर्स सेन्टर	www.vberc.org
07.	विद्या भवन पॉलिटेक्निक	www.vbpolytechnic.org
08.	विद्या भवन कृषि विज्ञान केन्द्र	www.vbkvk.org

शीघ्र ही अन्य संस्थाओं की वैबसाइट्स् का निर्माण भी पूरा कर लिया जाएगा। वैबसाइट्स् को नियमित अपडेट करते हुए जीवन्त बनाए रखने के लिए सभी संस्थाओं के रिपोर्टर्स् की कार्यशाला की जाएगी।

पाठकों के पत्र

Dear editors,

Thank-you for the July-December 2013 Edition of Khoj-khabar. Revival of the publication was long felt. While going through the issue my observations are-

Page 3-Nehru cup Hockey mein kiya kamaal

5 players of VB Sr Sec. School were selected in District hockey Team but they did not get recognition as their names were not mentioned. Similarly one player was selected in District foot-ball team but his name also was not given.

Please mention names invariably so that proper recognition is given to the deservings.

Page 11 Mahila karmchari karyasthal par rahengi surakshit

Who heads the committee and who are the members? This should have been mentioned. (Committee is a statutory requirement.)

Vertani kee kewal ek ashudhi dikhi...Aapke prayaas hetu Sadhuvad.

Jagmohan Dave
Member Executive Committee,
Vidya Bhawan Society

सलाहकार
हृदय कांत दीवान

संपादन
वि.वि. सिंह ✡ हिमालय तहसीन ✡ गिरीश शर्मा

ले–आउट, डिजाइनिंग
एस.एम. इकराम

विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल

बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी

कक्षा 10 व 12 के विद्यार्थियों के लिए प्री–बोर्ड करवाया गया। इसके लिए गणित विषय की अतिरिक्त कक्षाएं लगवाई गईं तथा बोर्ड के मॉडल पेपर हल करवाए गए। जीव विज्ञान, फिजिक्स एवं भूगोल विषय की प्रायोगिक परीक्षाओं की भी अलग से तैयारी करवाई गई। स्टाफ मीटिंग में पहले इसकी रूपरेखा तैयार की गई थी।

शिक्षा संदर्भ केन्द्र की पंखुड़ी ने कक्षा 6, 7 व 8 के विद्यार्थियों को अंग्रेजी पढ़ाई। इन बच्चों को जूनियर स्कूल ले जाकर वहां के बच्चों के साथ अंतःक्रियाएं करवाई।

पुस्तकालय सर्टिफिकेशन कोर्स में लिया भाग

शिक्षा संदर्भ केन्द्र की ओर से आयोजित पुस्तकालय सर्टिफिकेट कोर्स के संपर्क कार्यक्रम में विद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष मोहनलाल जोशी एवं अध्यापक सुशील कुमार जोशी ने भाग लिया। कोर्स में इन्होंने बच्चों को लिखना व पढ़ना सीखने व पुस्तकों से कैसे जोड़े इस बारे में सीखा। कोर्स 6 माह का है जिसमें संभागियों को कोर्स मटेरियल भी दिया गया। कोर्स में देशभर की विभिन्न संस्थाओं से भागीदारी रही।

रिपोर्ट बनानी सीखी

शिक्षा संदर्भ केन्द्र में आयोजित फैकल्टी डवलपमेंट वर्कशॉप में विद्यालय के समस्त स्टाफ ने भाग लिया। 'रीडिंग राइटिंग' विषय पर आयोजित वर्कशॉप में स्टाफ ने टेक्स्ट पढ़ कर उसकी रिपोर्ट बनाना सीखा।

आवासीय विद्यार्थियों के लिए गतिविधियां

विद्यालय समय के बाद आवासीय विद्यार्थियों तथा आस–पास के विद्यार्थियों के लिए पुस्तकालय, कंप्यूटर एवं खेल की गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। विद्यार्थी पुस्तकालय में विषय से संबंधित पुस्तके पढ़ने के साथ ही अपनी रुचि की पत्रिकाएं व अखबार पढ़ते हैं।

ईशिका व बफीन चैंपियन

विद्यालय में खेल दिवस फरवरी में मनाया गया। इसमें नालंदा हाउस प्रथम रहा। छात्र वर्ग में कक्षा 10 का बफीन कुमार वर्मा तथा छात्रा वर्ग में कक्षा 10 की ईशिका राठौड़ चैंपियन रहे। प्रतियोगिता का उद्घाटन सोसायटी अध्यक्ष रियाज तहसीन ने किया। समापन समारोह की अध्यक्षता प्रो. अरुण चतुर्वेदी ने की।

इससे पूर्व 27 जनवरी को हुई अंतर विद्यालयी क्रिकेट प्रतियोगिता सीनियर सैकण्डरी स्कूल ने जीती।

रश्मि दल के लिए स्वास्थ्य वार्ता

'प्रोक्टर एंड गैम्बल' की ओर से रश्मि दल की छात्राओं के लिए ''हाइजीन एवं हेल्थ केयर'' विषय पर वार्ता आयोजित हुई। एक मार्च को आयोजित वार्ता में छात्राओं को स्वच्छता एवं स्वास्थ्य विषय पर महत्त्वपूर्ण जानकारियां दी गई तथा छात्राओं की जिज्ञासाओं को भी शांत किया गया। वार्ता में 50 छात्राओं ने भाग लिया।

जिला स्तरीय रैली में सहभागिता

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड मण्डल मुख्यालय, उदयपुर के तत्वावधान में 8वीं जिलास्तरीय रैली उदयविलास में आयोजित की गई। रैली में कक्षा 6 व 7 के 8 विद्यार्थियों ने स्काउट मास्टर सुशील कुमार जोशी के नेतृत्व में सहभागिता की। जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में विद्यालय के 8 एनसीसी कैडेट्स ने परेड में भाग लिया।

बैंक की कार्यप्रणाली समझी

गणतंत्र दिवस पर शहर के आर. के. मॉल में चित्रकला प्रतियोगिता हुई। इसमें कक्षा 1 से 8 के बच्चों ने 'मेरे सपनों का भारत' तथा कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थियों ने 'उभरता हुआ भारत' विषय पर चित्र बनाएं। एक अन्य चित्रकला प्रतियोगिता बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा जनवरी में हुई जिसका विषय 'डांस ऑफ इंडिया' तथा 'स्मार्ट बैंकिंग' था। विद्यालय में आयोजित इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों के खाते खोले गए तथा उन्हें बैंक की कार्यप्रणाली से अवगत करवाया गया।

विद्या बंधु संघ ने दी छात्रवृत्तियां

विद्या भवन विद्या बंधु संघ द्वारा विद्यार्थियों को ₹41,000 की छात्रवृत्तियां दी गईं। इस मौके पर आयोजित समारोह में विद्या बंधु संघ के सदस्यों ने भाग लिया। विद्या बंधु डॉ. फतह सिंह मेहता ने बच्चों को ये राशि प्रदान की।

जूनियर में बनेगी कम्प्यूटर लैब

विद्या भवन जूनियर स्कूल में कम्प्यूटर लैब बनेगी। विद्या भवन के पूर्व छात्र भगवत बाबेल ने कंप्यूटर लैब के लिए 7 कम्प्यूटर भेंट किए हैं।

अभिमतावली में निशा प्रथम

विद्या भवन सेफ्टी कन्सर्न केन्द्र द्वारा आयोजित 25वें सड़क सुरक्षा सप्ताह में सीनियर सैकण्डरी स्कूल की कक्षा–11 की निशा बंशीवाल ने अभिमतावली प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बसंतोत्सव मनाया

4 फरवरी को शाला में बसंतोत्सव मनाया गया। इस मौके पर रंगोली प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. दया दवे थीं।

बच्चों के साथ अभिभावक भी खेले

कई प्रकार के इवेंट, रेसेज एवं प्रतियोगिताओं के साथ 6 फरवरी को नर्सरी स्कूल का स्पोर्ट्स–डे मनाया गया। कार्यक्रम में कक्षा नर्सरी, एल.के.जी. एवं एच.के.जी. के सभी बच्चों ने भाग लिया। इस मौके पर विद्यार्थियों के अभिभावकों को आमंत्रित किया गया। उन्होंने अलग–अलग प्रतियोगिताओं में भाग लिया। विजेता अभिभावकों का अभिनंदन किया गया।

जूनियर स्कूल में कक्षा 1 से 5 तक की दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता फरवरी में आयोजित की गई।

गुलाबबाग की सैर

फरवरी में नर्सरी स्कूल के विद्यार्थी 'गुलाब बाग' गए जहां उन्होंने कई प्रकार के जीव–जंतु देखे, पहचाने एवं उनके बारे में जाना। इस मौके पर बच्चों ने वहां के प्राकृतिक सौंदर्य का भी लुत्फ़ उठाया।

विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल, रामगिरि

अन्तर विद्यालयी सामान्य ज्ञान क्विज
विद्यालय में 16 जनवरी को अन्तर विद्यालयी सामान्य ज्ञान क्विज रखी गई। क्विज में 9 विद्यालयों ने भाग लिया। प्रत्येक विद्यालय से कक्षा–8 से 10 तक चार विद्यार्थियों की एक टीम आमंत्रित की गई थी। क्विज में प्रथम प्रेरणा पब्लिक स्कूल, द्वितीय विद्या भवन पब्लिक स्कूल और तृतीय आलोक सीनियर सैकण्डरी स्कूल रहा। विजेता विद्यार्थियों को शाला द्वारा प्रमाण पत्र तथा पुरस्कार दिए गए।

महाराणा प्रताप अन्तर विद्यालयी सामान्य ज्ञान
विद्यालय में 21 जनवरी को महाराणा प्रताप अन्तर विद्यालयी सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। यहां 1 घंटे का पेपर हुआ जिसमें कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। एक घंटे की अवधि में महाराणा प्रताप से सम्बन्धित कुल 50 प्रश्न पूछे गये थे। विद्यालय की कक्षा–8 की पूजा पालीवाल तथा कक्षा–9 की भावना पटेल को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ।

इसी तरह जनवरी में टाटा बिल्डिंग इण्डिया निबन्ध प्रतियोगिता विद्यालय में आयोजित की गई। प्रतियोगिता में वरिष्ठ वर्ग में कक्षा 12 के नरेश गमेती को प्रथम, दुर्गा कुंवर को द्वितीय एवं कक्षा 11 की पूनम प्रजापत को तृतीय पुरस्कार दिया गया। कनिष्ठ वर्ग में कक्षा 8 की निर्मला पंवार, कक्षा 7 की रेणुका जोशी एवं कक्षा 8 की पायल सुथार को पुरस्कृत किया गया।

खेल–कूद प्रतियोगिता
जनवरी में विद्यालय स्तर पर विभिन्न प्रकार के खेल, दौड़ व एथलेटिक प्रतियोगिताएं आयोजित करवाई गई। प्रत्येक विद्यार्थी को किन्हीं तीन खेलों में भाग लेना अनिवार्य था। सभी विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

विदाई समारोह
बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए अपनी बोर्ड परीक्षा से पूर्व विदाई समारोह 28 फरवरी को आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि विद्यालय के पूर्व छात्र तथा वर्तमान में थूर सरपंच एडवोकेट रमेश पटेल थे। इस मौके पर कक्षा–11 के विद्यार्थियों ने गीत गाया व कविता, भजन व नृत्य का रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

क्रिकेट में रामगिरि जीता
विद्यालय में मकर सक्रांति पर्व 15 जनवरी को मनाया गया। इसमें गांधीयन बी.एड. कॉलेज के अध्यापक तथा छात्राध्यापकों को भी आमंत्रित किया गया। लड़कियों के लिए सतोलिया का खेल रखा गया था। रामगिरि विद्यालय एवं गांधीयन बी.एड. महाविद्यालय के बीच क्रिकेट मैच खेला गया जिसमें रामगिरि विद्यालय की टीम विजयी रही। अन्य विद्यार्थियों ने समूह बनाकर खेल खेलने का आनन्द उठाया।

विद्यालय में बसंत पंचमी का पर्व 4 फरवरी को मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने कविता, गीत आदि प्रस्तुत किए। इस मौके पर बसन्त पंचमी मनाने के कारण, उद्देश्य एवं महत्त्व के बारे में चर्चा की गई।

रूपलाल एवं खुशबू सम्मानित
दसवीं बोर्ड परीक्षा में हिन्दी में शत प्रतिशत परिणाम देने के लिये रूपलाल चौबीसा एवं नवीं में सर्वश्रेष्ठ अंक प्राप्त करने के लिए खुशबू राव को एम.के. जैन क्लासेज एवं गीताजंलि इंस्टीट्यूट की ओर से सम्मानित किया गया।

जिला स्तर पर विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल, रामगिरि की छात्राओं ने वॉलीबॉल (अंडर 17) में लगातार तीसरे वर्ष चैम्पियनशिप प्राप्त की– बधाई।

विद्या भवन पब्लिक स्कूल

किताबी ज्ञान से हट कर सीखना
विद्यालय में छात्रों को दल शिक्षण विधि का प्रयोग करते हुए अध्ययन कार्य करवाया जा रहा है। इस विधि से विद्यार्थी किताबी ज्ञान से हट कर अंतःक्रिया करते हुए विभिन्न अवधारणाओं को सीख रहे हैं। कक्षा 1 से 10 तक के विद्यार्थियों के लिए 'सपोर्ट क्लासेज' चलाई गईं। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों को शून्य कालांश, खेल एवं पुस्तकालय कालांश में भी पढ़ने–लिखने के मौके दिए गए। प्रार्थना सभा के दौरान विद्यार्थी कितने सजग रहते हैं इसे जांचने के लिए सभा में पूछे जाने वाले सामान्य ज्ञान के प्रश्नों को एस.ए.–2 परीक्षा में भी शामिल किया गया। शिक्षा केन्द्र की ओर से भी अकादमिक मदद विद्यालय को दी गई। यहां से आए रिसर्च असोसिएट्स ने गणित एवं अंग्रेजी विषय में विद्यार्थियों को अकादमिक मदद दी। 'री–टेस्ट' में आए विद्यार्थियों के लिए विद्यालय की ओर से निःशुल्क कोचिंग सुविधा उपलब्ध करवाई गई। विद्यार्थी अच्छे से हिन्दी व संस्कृत बोल सकें और लिख कर समझ सके इसके लिए उच्च प्राथमिक कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए समय–समय पर श्रुतिलेखन करवाया गया।

पुस्तकालय वर्कशॉप में भाग लिया
शिक्षा केन्द्र में आयोजित ''कैपेसिटी बिल्डिंग फॉर लाइब्रेरी एज्यूकेटर्स'' कार्यशाला में विद्यालय के अध्यापको ने भाग लिया। कार्यशाला में विभिन्न तरीकों से कहानी सुनाना, पढ़ना एवं हावभाव से कहानी एवं कविता पठन का तरीका सीखा।

अंग्रेजी सप्ताह मनाया
विद्यालय में पहली बार अंग्रेजी सप्ताह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों ने अंग्रेजी प्रश्नोत्तरी, आशुभाषण, विज्ञापन, कोलाज बनाना

आदि प्रतियोगिताओं में बढ़–चढ़ कर हिस्सा लिया। सप्ताह के दौरान प्रत्येक दिन ज्ञानवर्धक एवं दर्शनीय अंग्रेजी फिल्में दिखाई गई। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में अंग्रेजी का शुद्ध उच्चारण एवं वाचन की क्षमता का विकास करना था।

अभिभावक हुए योजनाओं से अवगत

उच्च प्राथमिक कक्षाओं का अभिभावक शिक्षक सम्मेलन 20 जनवरी को विद्यालय प्रांगण में आयोजित किया गया। प्राचार्या ने विद्यालय की भावी योजनाओं से अभिभावकों को अवगत कराया। जिनमें झूले लगवाना, खेल गतिविधियों के लिए खेल मैदान तैयार करवाना, अन्तर विद्यालयी प्रतियोगिताओं की तैयारी व एक अन्तर विद्यालयी प्रतियोगिता विद्यालय में आयोजित करवाना और अंग्रेजी वाचन एवं सामान्य ज्ञान पर विशेष जोर देना प्रमुख हैं।

माध्यमिक व उच्च माध्यमिक कक्षाओं का अभिभावक–शिक्षक सम्मेलन 31 जनवरी को आयोजित किया गया। अभिभावकों को वाणिज्य संकाय में जीवनचर्या की योजना, विद्यालय में ही सी.एस. और सी. पी.टी. के प्रशिक्षण की सुविधा, पॉलिटेक्निक कॉलेज में चल रहे कोर्सेज से अवगत कराया गया। अभिभावकों ने एक खेल प्रशिक्षक की नियुक्ति एवं नृत्य कक्षा आरम्भ करने की मांग की।

वार्षिक खेल दिवस पर दौड़े विद्यार्थी

दिनांक 2 फरवरी को आयोजित खेल दिवस पर कक्षा–1 से 11 तक के विद्यार्थियों की विभिन्न दौड़ प्रतियोगिताएं हुईं। इस मौके पर हाउस वाइज़ 'पिरामिड' बनाए गए। इस प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य छात्र–छात्राओं में मानसिक एवं शारीरिक तालमेल के साथ समूह भावना विकसित करना था।

प्रतियोगिताओं में विद्यार्थी रहे अव्वल

संत ग्रिगोरियस महाविद्यालय में आयोजित समूह नृत्य प्रतियोगिता में लावण्या, महिमा एवं सुमन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

'25वां सड़क सुरक्षा सप्ताह' के अन्तर्गत आयोजित प्रतियोगिताओं में विद्यालय के मोहित, गुंजन, रिया व गरिमा को आर.टी.ओ. कार्यालय में पुरस्कृत किया गया। राष्ट्रीय गणित प्रतियोगिता में सुकृति झाला (सब–जूनियर वर्ग) ने राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। 'इंटरनेशनल मैथेमेटिक ऑलंपियाड' में रक्षिता जाजू व हर्षित शर्मा दूसरे स्तर पर पहुंचे। 'नेशनल साइंस ऑलंपियाड' में हर्षित शर्मा व निसर्ग व्यास द्वितीय स्तर पर पहुंचे।

शैक्षिक भ्रमण कर विरासतों को जाना

ऐतिहासिक, भौगोलिक, सामाजिक एवं हमारी प्राचीन विरासतों से अवगत कराने के लिए 'अपने शहर को जानें' प्रसंग पर विद्यार्थियों को विभिन्न स्थानों का भ्रमण करवाया गया। कक्षा–1 से 3 विद्यार्थी वर्ग ने 'हल्दीघाटी', कक्षा–3 से 5 ने 'सिटी पैलेस' व कक्षा–6 से 10 तक के विद्यार्थियों ने 'कुम्भलगढ़' का भ्रमण किया।

मैदान समतलीकरण व झूले लगाए

प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों के लिए अलग से खेल मैदान बनाने के लिए विद्यालय प्रांगण में समतलीकरण का कार्य किया गया एवं नए झूले व फिसल पट्टी लगाई गई।

संकलित परीक्षा–2

उच्च प्राथमिक स्तर तक की एस.ए.–2 परीक्षा 25 फरवरी से 13 मार्च तक, माध्यमिक स्तर की 10 मार्च से 22 मार्च तक एवं कक्षा–11 वीं की परीक्षा 7 मार्च से 24 मार्च के बीच आयोजित की गई।

विद्या भवन सेफ्टी कन्सर्न सेण्टर

सड़क सुरक्षा सप्ताह के दौरान बनाए पोस्टर

विद्या भवन सेफ्टी कन्सर्न सेन्टर एवं रेफ बुलिक फाउण्डेशन (सेवा मंदिर) तथा परिवहन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 25वां सड़क सुरक्षा सप्ताह जनवरी में मनाया गया। विद्या भवन शिक्षक महाविद्यालय में आयोजित इस सप्ताह के अंतर्गत अन्तर विद्यालयी प्रतियोगिताएं आयोजित की गई जिसमें 18 सीनियर सैकण्डरी स्कूलों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। सड़क दुर्घटनाओं के कारण, प्रकार और बचाव के उपाय विषयों को लेकर 62 बच्चों द्वारा बनाए गए पोस्टर्स को प्रतियोगिता स्थल एवं पुनः आर.टी.ओ. परिसर में प्रदर्शित किया गया। इस मौके पर यातायात नियमों से संबंधित लिखित प्रश्नावली एवं अभिमतावली भी तैयार की गई जिसमें विभिन्न स्कूलों के 57 विद्यार्थियों ने भाग लिया। सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को विद्या भवन की ओर से प्रमाण–पत्र दिए गए। विजयी प्रतिभागियों को परिवहन विभाग द्वारा पुरस्कृत किया गया।

सड़क दुर्घटनाएं : घायलों की संभाल कैसे करें?

18 जनवरी को जी.बी.एच. अमेरिकन हॉस्पिटल के सौजन्य से डॉ. मोहित चौबीसा एवं डॉ. पप्पू धाकड़ ने डमी से सड़क दुर्घटनाओं में घायलों के उपचार का डिमोन्सट्रेशन दिया। बच्चों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देकर उनकी जिज्ञासा हल की।

विद्या भवन रूरल इंस्टीट्यूट

यूथ की उर्जा का सकारात्मक उपयोग हो

संस्थान में वाणिज्य एवं कला विभाग की ओर से यू.जी.सी. द्वारा प्रायोजित दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ। कार्यशाला का उद्देश्य यूथ में छिपी ऊर्जा को विभिन्न तरीकों से सकारात्मक दिशा में ले जाना है ताकि आईटी सेक्टर, उद्यमिता, स्वयं सेवी संस्थाओं, राजनीति आदि क्षेत्रों में इनकी ऊर्जा का उपयोग किया जा सकता है। भारतीय लोकतन्त्र एवं जन आन्दोलन विषयक राष्ट्रीय सेमीनार इस दृष्टि से लाभदायक रहा कि इसने आन्दोलन की प्रकृति और विभिन्न स्वरूपों को स्पष्ट किया एवं साथ ही इस बात पर भी प्रकाश डाला कि हित और पहचान के क्षेत्र में किस तरह शान्ति पूर्वक आन्दोलनों के माध्यम से शासन पर प्रभाव डालकर नागरिक हितों की रक्षा की जा सकती है।

फैकल्टी डवलपमेंट कार्यशाला

विद्या भवन सोसायटी की ओर से फरवरी में पांच दिन की फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यशाला आयोजित हुई। कार्यशाला में प्रो. ए.बी. फाठक, प्रो. एम.पी. शर्मा जाहिद मोहम्मद, एस.पी. गौड़, प्रो. अरुण चतुर्वेदी, डॉ. आर.के. गर्ग ने महाविद्यालय फैकल्टी का मार्गदर्शन किया। टीचिंग मैथडोलॉजी, रिसर्च प्रोजेक्ट, रिसर्च मैथडोलॉजी की आवश्यकता एवं विद्या भवन सर्विस रुल्स की जानकारी दी गई ताकि फैकल्टी आगामी सत्र में इन बातों को ध्यान में रखकर कार्य कर सकें।

कला संकाय के दो बैच के प्रस्ताव को विश्वविद्यालय ने स्वीकारा

कला संकाय में छात्र संख्या अधिक रहने से सत्र 2014–15 से दो बैच में छात्रों को प्रवेश देने के प्रस्ताव को विश्वविद्यालय ने स्वीकार कर लिया है।

जनवरी में सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक पाठ्यक्रम का दोहरान करवाया गया। विद्यार्थियों की सह शैक्षणिक गतिविधियों में रुचि को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में महाविद्यालय के विद्यार्थियों एवं अन्य महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।

फरवरी में विभिन्न संकायो में प्रायोगिक परीक्षाएं तथा मार्च में सैद्धान्तिक परीक्षाएं हुईं।

'नैक' की तैयारी

जुलाई में प्रस्तावित 'नैक' के निरीक्षण को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय में तैयारियां चल रही हैं। रंग रोगन, नोटिस व डिस्प्लेबोर्ड की मरम्मत, कॉन्फ्रेन्स हॉल व बोटेनिकल गार्डन का निर्माण व सफाई करवाई जा रही है। सभी विभागों को अपने–अपने पीपीटी तैयार करने एवं विभागों से सम्बन्धित अन्य दस्तावेज इकट्ठे करने एवं उन्हें सुव्यवस्थित रखने के निर्देश दिए गए। इस संबंध में विश्वविद्यालय के वी.सी. प्रो. आई.वी. त्रिवेदी, प्रो. बी.एल. चौधरी, प्रो. अरुण चतुर्वेदी, प्रो. एम.पी. शर्मा ने कर्मचारियों को निरीक्षण सम्बन्धी महत्त्वपूर्ण सुझाव दिए।

एम.एससी. रसायन शास्त्र के विद्यार्थियों का समूह बिड़ला सीमेंट, चित्तौड़गढ़ में औद्योगिक भ्रमण के लिए गया। विद्यार्थी उद्योगों में काम आने वाले उपकरणों से रूबरू हुए।

विद्या भवन मानव संसाधन एवं विधि विभाग

परीक्षा एवं साक्षात्कार

विद्या भवन की विभिन्न संस्थाओं के लिए व्याख्याता, लेखापाल, सहायक लेखापाल और अध्यापक पदों पर नियुक्ति हेतु जनवरी में लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार लिया गया। 52 आवेदक परीक्षा एवं साक्षात्कार के लिए उपस्थित हुए। विद्या भवन सोसायटी ने पैनल का अनुमोदन कर दिया है। इन पदों पर नियुक्ति पत्र जारी करने की प्रक्रिया चल रही है।

कर्मचारियों के लिए खेलकूद

सोसायटी की ओर से अप्रैल में दो दिवसीय खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजन करने का निर्णय लिया गया। इस आयोजन का उद्देश्य सोसायटी एवं इसके द्वारा संचालित विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं एवं गैर शैक्षणिक संस्थाओं के लगभग 400 शैक्षिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारियों के आमोद–प्रमोद तथा उनके मध्य सौहार्दपूर्ण वातावरण को प्रोत्साहन देना है। खेलकूद प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए कमेटियां गठित की गई जिसमें विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि शामिल हैं।

सेवा नियमों व वेतन स्ट्रक्चर पर चर्चा

विद्या भवन रूरल इंस्टीट्यूट के निदेशक की अनुशंसा को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय के कर्मचारियों के लिए फरवरी में व्याख्यान हुए एवं कर्मचारियों के प्रश्नों पर चर्चा हुई। व्यवस्था सचिव एस. पी. गौड़ एवं मानव संसाधन एवं विधि विभाग के कार्यकारी अधिकारी जाहिद मोहम्मद ने सेवा नियमों एवं वेतन स्ट्रक्चर पर कर्मचारियों से चर्चा की।

विद्या भवन पॉलिटेक्निक कॉलेज

विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त कक्षाएं
गणित व मेकेनिक्स विषय में कमजोर विद्यार्थियों के लिए महाविद्यालय के प्रकाश सुन्दरम एवं गौरव पालीवाल ने कक्षाएं लीं।

व्यक्तित्व विकास एवं स्वरोजगार
विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए 'पर्सनेलिटि डवलपमेंट एंड कम्युनिकेशन स्किल्स' पर 25 जनवरी को कार्यशाला में टाइटेनियम एज्यूकेशन के निदेशक एवं संस्था के पूर्व छात्र मुकेश जणवा ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।

फरवरी में लघु, सूक्ष्म एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय के तत्वावधान में उद्यमिता व उद्योग स्थापना विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। लघु, सूक्ष्म एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय के जयपुर स्थित एमएसएमई विकास संस्थान के उपनिदेशक फूलसिंह ने स्वरोजगार संबंधी विभाग की सरकारी योजनाओं एवं लीड बैंक के सहायक प्रबंधक विपिन कुमार ने लीड बैंक की सहायता योजनाओं की जानकारी दी। राज्य सरकार के अनुसूचित जाति, जनजाति, वित्त एवं विकास सहकारी निगम के ब्रजनाथ ने निगम की योजनाएं बताई।

पर्सनेलिटि डवलपमेन्ट, गोल सेटिंग
द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए 'पर्सनेलिटि डवलपमेन्ट, गोल सेटिंग एवं एचीविंग सक्सेस' विषय पर दो दिवसीय सेमिनार हुआ। सेमिनार में माइन्ड पावर ग्रुप की एम.डी. शीतल जोटा ने प्रशिक्षण दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारण एवं प्राप्ति के बारे में बताया व स्मार्ट एवं शार्प वर्क को समझाया।

सॉफ्टवेयर पर कार्यशाला
विद्यार्थियों को सिविल इंजीनियरिंग से सम्बंधित विभिन्न सॉफ्टवेयर की जानकारी देने के लिए कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यशाला में डिजिटल आर्किटेक्चर विद केड, थ्री डी मेक्स स्टूडियो, स्टड–प्रो सॉफ्टवेयर की जानकारी दी। तृतीय वर्ष के सिविल के विद्यार्थियों हेतु 'सीमेंट निर्माण प्रोसेस' विषय पर टेक्निकल सेमिनार हुआ।

रेडिमिक्स कांक्रीट प्लांट पर प्रशिक्षण
12 फरवरी को रेडिमिक्स कांक्रीट प्लांट पर प्रशिक्षण में सिविल इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों को कांक्रीट मिक्सिंग मशीन में कम्प्यूटर के माध्यम से विभिन्न अवयवों को कांक्रीट की सामर्थ्यानुसार आनुपातिक आधार पर उच्च स्तरीय कांक्रीट का निर्माण सिखाया गया। 13 व 14 मार्च को 'कांक्रीट मिक्स डिजाइन' निर्माण पर विशेषज्ञ राहुल माथुर ने विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया।

लघु अवधि पाठ्यक्रम कार्यशाला
फैकल्टी डवलपमेन्ट हेतु महाविद्यालय में 'एनवायरमेन्ट इंजीनियरिंग एण्ड मैनेजमेन्ट' पर पाठ्यक्रम कार्यशाला 3 से 7 मार्च को सम्पन्न हुई। यह कोर्स नेशनल इस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल टीचर्स ट्रेनिंग एण्ड रिसर्च द्वारा आयोजित किया गया।

विद्यार्थियों ने किया ट्रैफिक सर्वे
विद्या भवन पॉलिटेक्निक कॉलेज की कार्य कुशलता व स्तर को दृष्टिगत रखते हुए नगर निगम ने सेवाश्रम–सूरजपोल रोड, कुम्हारों के भट्टे चौराहे पर फ्लाई ओवर निर्माण की आवश्यकता का पता करने के लिए ट्रैफिक गणना का कार्य करने का आग्रह किया।

विद्यार्थियों ने 8 मार्च को संस्थान के प्राध्यापक चन्द्रेश अरोड़ा, गिरीश वैष्णव एवं मनीषा शर्मा के निर्देशन में सर्वे किया। विद्यार्थियों को इससे वास्तविक फील्ड वर्क का अनुभव प्राप्त हुआ।

डी.एस.टी. प्रोजेक्ट
विद्या भवन पॉलिटेक्निक कॉलेज के कम्प्यूटर साइन्स एवं इलेक्ट्रोनिक्स विभागों को डी.एस.टी. (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग) के तीन स्टूडेन्ट प्रोजेक्ट 'मेडिकल हेल्प', 'प्रोटेक्शन ऑफ वाइल्ड लाइफ' एवं 'ऑटोमेटेड वायरलैस मीटर रीडिंग सिस्टम' स्वीकृत हुए हैं।

रिइन्वेन्टिंग टोयलेट फेयर
नई दिल्ली में बिल एण्ड मेलिण्डा गेट्स फाउण्डेशन द्वारा आयोजित 'रीइन्वेन्टिंग द टॉयलेट फेयर' में प्राचार्य अनिल मेहता ने भाग लिया। कार्यक्रम में मेहता ने विश्व भर से आए अनुसंधानकर्ताओं एवं विशेषज्ञों को विद्या भवन के प्रयासों से अवगत कराया। मेहता ने सेन्टर फॉर पॉलिसी रिसर्च, नई दिल्ली की टीम के साथ इस कार्यक्रम में सहभागिता की।

कम्युनिटी डवलपमेंट थ्रू पॉलिटेक्निक स्कीम
महाविद्यालय में स्कीम के अन्तर्गत डाटा एन्ट्री ऑपरेटर, हाउस वायरिंग, ए.सी. एवं रेफ्रिजरेशन रिपेयरिंग के प्रशिक्षण चलाए जा रहे हैं। इनमें 105 युवक–युवतियां प्रशिक्षण ले रहे हैं। सी.डी.टी.पी. स्कीम की 2013–14 की वार्षिक रिव्यू व 2014–15 के ऑपरेशन प्लान की बैठक राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, बीकानेर में आयोजित की गयी। नाईटर चण्डीगढ़ के ग्रामीण विकास के प्रो. पूनम सियाल व राज्य के अन्य पॉलिटेक्निक के प्राचार्यों ने संस्था द्वारा किए गए कार्यों व स्वच्छ शौचालय प्रोजेक्ट की प्रशंसा की।

संस्थान में 18 जनवरी को निर्मल भारत अभियान की सफल क्रियान्विति पर कार्यशाला में जल व स्वच्छता इकाई के रौनक शाह व पंकज जोशी ने 'इकोसेन शौचालय' का प्रस्तुतीकरण किया।

माइक्रोपोल्यूटेन्ट पर शोध
शहर की जीवनरेखा आयड़ नदी में माइक्रोपोल्यूटेन्ट पर शोध किया गया। अन्तर्राष्ट्रीय मानकों पर किए गए शोध में कॉमनवेल्थ साइन्टिफिक एण्ड इण्डस्ट्रीयल रिसर्च ऑरगेनाइजेशन, ऑस्ट्रेलिया के प्रो. राय कूकणा के निर्देशन में ऑस्ट्रेलिया की यूनिवर्सिटी ऑफ एडिलेड, यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टर्न सिडनी सहित विद्या भवन पॉलिटेक्निक, सीटीएई, वॉलकेम इण्डिया, झील संरक्षण समिति, आयड़ ग्रीन ब्रिज प्रोजेक्ट के विशेषज्ञ जुड़े। प्राचार्य अनिल मेहता, प्राध्यापक विक्रम कुमावत, सुधीर कुमावत व उमाशंकर जोशी, रूरल इंस्टीट्यूट के प्राध्यापक मनीष रावल व विद्यार्थियों ने भाग लिया।

विद्या भवन गोविन्द राम सेकसरिया शिक्षक महाविद्यालय

चुनौतियों पर मंथन

महाविद्यालय के संकाय सदस्यों की आंतरिक कार्यशाला आयोजित कर आगामी पांच सालों हेतु विद्या भवन शिक्षक महाविद्यालय में क्या चुनौतियां होंगी, विषय पर चर्चा की गई। साथ ही इन चुनौतियों को दूर करने के लिए क्या कदम उठाने होंगे इस पर मंथन किया गया। कार्यशाला में महाविद्यालय के सभी संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

खण्ड अभ्यास शिक्षण कार्यक्रम

फरवरी के पहले सप्ताह में महाविद्यालय के बी.एड. छात्राध्यापकों के लिए खण्ड अभ्यास शिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत छात्राध्यापकों को राजसंमद, ऋषभदेव, बामनवाड़, सोनाला खेतला और चारभुजा केन्द्रों पर अध्ययन के लिए भेजा गया। खण्ड अभ्यास कार्यक्रम आवासीय था और छात्राध्यापकों ने इस दौरान विद्यालय की समस्त शैक्षिक, सहशैक्षिक गतिविधियों का विद्यालय में रहकर संचालन करना सीखा।

मतदान जागरूकता सप्ताह

महाविद्यालय में 20 से 25 जनवरी तक मतदान जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया। मतदान सप्ताह के अंतर्गत व्याख्यान हुए तथा पोस्टर प्रतियोगिता हुई। अंतिम दिन रैली निकाली गई। कार्यक्रम में बी.एड. एवं एम.एड. के छात्राध्यापकों ने भाग लिया।

भूपेन्द्र व ऋतुराज ने बाजी मारी

महाविद्यालय की वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता 13 और 14 मार्च को आयोजित की गई। सीनियर सैकण्डरी स्कूल मैदान पर आयोजित प्रतियोगिता में छात्र वर्ग में सामाजिक विज्ञान परिषद के भूपेन्द्रसिंह मोजावत प्रथम रहे। उन्होंने 100, 200, 400 तथा 800 मीटर दौड़ में प्रथम तथा डिस्कस थ्रो में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। छात्रा वर्ग में सामाजिक विज्ञान परिषद् की ऋतुराज ने

प्रथम स्थान प्राप्त किया। वह क्रिकेट बॉल थ्रो, शॉर्टपुट में प्रथम तथा 100 मीटर दौड़ में द्वितीय स्थान पर रही।

इस मौके पर संकाय सदस्यों की कुर्सी दौड़ हुई जिसमें प्रो. सुषमा तलेसरा प्रथम व डॉ. अरविन्द आशिया द्वितीय रहे।

विद्यालय अवलोकन के आयाम विषय पर कार्यशाला

महाविद्यालय के संकाय सदस्यों के लिए अभ्यास शिक्षण से पूर्व विद्यालय अवलोकन कार्यक्रम के औचित्य पर कार्यशाला का आयोजन हुआ। इस संदर्भ में ठोस नीतिबद्ध कार्यक्रम की रूपरेखा भी तैयार की गई। कार्यशाला में महाविद्यालय के अतिरिक्त विद्या भवन गांधीयन इंस्टीट्यूट तथा विद्या भवन एस. टी.सी. के संकाय सदस्यों ने भाग लिया। कार्यशाला का संचालन प्रो. ए.बी. फाटक ने किया।

हिमाद्री रही वाद–विवाद में अव्वल

महाविद्यालय की छात्रा हिमाद्री शर्मा ने 4 अंतर महाविद्यालयी वाद–विवाद प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त किया। हिमाद्री ने मातेश्वरी बी.एड. कॉलेज की ओर से आयोजित ''शिक्षक शिक्षा से ही विश्व शांति की स्थापना संभव है'', ऐश्वर्या बी. एड. कॉलेज की ओर से आयोजित ''धारा 370 जम्मू कश्मीर के निवासियों के लिए वर्तमान में भी प्रासंगिक है'', गुरु नानक गर्ल्स कॉलेज की ओर से ''नारी का साहस व आत्म विश्वास ही उसकी सुरक्षा का परिचायक है'' तथा लोकमान्य तिलक बी. एड. कॉलेज डबोक की ओर से आयोजित ''शिक्षा ही लोकतंत्र को सशक्त बनाने का एक मात्र विकल्प है'' विषयों पर अपना पक्ष रखा।

व्यक्तिगत विकास कार्यशाला

महाविद्यालय के बी.एड. एवं एम.एड. विद्यार्थियों के लिये सिक्योर मीटर्स उदयपुर के सहयोग से फरवरी में व्यक्तित्व विकास कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यशाला में अंग्रेजी में सम्प्रेषण, मूल्यों तथा व्यक्तित्व समायोजन विषय पर वार्ताएं एवं सत्र हुए। प्रमुख वार्ताकार नरेन्द्र शर्मा, अशोक चक्रनारायण एवं श्रीमती चक्रनारायण थे।

तकनीकी के प्रयोग पर एक वार्ता विनीत सोनी द्वारा आयोजित हुई। आंतरिक संकाय सदस्यों को सी.टी.ई. प्रोनक्ल कार्य स्थिति पर बैठक का आयोजन रखा गया जिसमें सभी संकाय सदस्यों ने अपने द्वारा लिए गये प्रोजेक्ट की वस्तुस्थिति को प्रस्तुत किया और बाधाओं हेतु उनका मार्गदर्शन प्रो. एम.पी. शर्मा एवं प्रो. सुषमा तलेसरा द्वारा किया गया।

अकादमिक परामर्श समिति की बैठक

शैक्षिक सलाहकार हृदय कांत दीवान की अध्यक्षता में अकादमिक परामर्श समिति की बैठकें 13 जनवरी, 10 फरवरी, 2 और 26 मार्च को हुई। बैठकों में प्रत्येक संस्था में क्या चल रहा है और भविष्य की क्या योजनाएं हैं इस बारे में विमर्श हुआ। इस मौके पर संस्थाओं के विजन और मिशन निर्माण, लघु एवं दीर्घावधि बजट भी साझा किए गए।

बैठकों में विद्या भवन के कार्यकर्ताओं के लिए दो दिवसीय खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम की योजना, सुरक्षा के मुद्दों/पहलुओं और परिसर की स्वच्छता में विद्यार्थियों की भागीदारी, संस्था विकास योजना पर स्टाफ के साथ चर्चा, प्रत्येक संस्था द्वारा पंचवर्षीय बजट निर्माण और संस्थाध्यक्षों द्वारा पिछली दो बैठकों में बजट व विजन और मिशन का प्रस्तुतीकरण किया गया। व्यक्तिगत क्षमता, शैक्षिक योग्यता संवर्द्धन एवं अन्य संस्थाओं के साथ तादात्म्य कैसे स्थापित किए जाए इस पर भी मंथन हुआ।

आगामी बैठकें 'मोटिवेशन एण्ड लीडरशिप अमंग इंडिविज्युअल्स एण्ड इंस्टीट्यूशंस' पर केन्द्रित होंगी।

विद्या भवन गांधी शिक्षा अध्ययन संस्थान

सीखने – सिखाने की समझ

बी.एड. विद्यार्थियों में विभिन्न विषयों के सम्प्रत्ययों की समझ तथा आत्मविश्वास विकसित करने के उद्देश्य से अध्यापन अभ्यास कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों ने बड़गांव, लोयरा, मदार, ब्राह्माणों की हुन्दर, नीमच खेड़ा, पुलां, बह्मपोल, सवीना के विद्यालयों में विद्यालय अनुभव प्राप्त किए। विद्यार्थियों ने बाल सभाओं का आयोजन कर मतदान प्रक्रिया में 'नोटा' विकल्प एवं मानचित्र क्यों व कैसे बनाएं विषयों पर चर्चा की।

व्यवहार व्यक्तित्व का आईना – केस स्टडी कैसे करें?

श्ब्रूनोस सिक्स थिंकिग हेट्स का अनुप्रयोग विषयक पत्र वाचन हेतु डॉ अजय चौधरी, मनोविज्ञान विभाग, राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय ने व्यवहारगत शील गुणों के अध्ययन की आत्मनिष्ठ विधि को प्रयोग करने संबधी अर्हताओं से अवगत कराया। डॉ. चौधरी ने व्यक्तित्व अध्ययन हेतु केन्द्रित लक्ष्य, साहचर्य स्थापना, प्रश्न निर्माण, प्रभावी संवेदनशील श्रवण, पूर्वाग्रह रहित विश्लेषण एवं विषयों के माध्यम से ही समाधान तक पहुंचना आवश्यक बताया।

कुछ नृत्य, कविता, कुछ गीत

महाविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए अंतर परिषद प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में भावानुभूति के विकास के साथ रचनात्मक प्रतिभाओं को अभिव्यक्ति हेतु मंच प्रदान करना था। एकल गान प्रतियोगिता के अंतर्गत गुंजन माली, गायत्री पुरोहित, मीनाक्षी दवे एवं दिनेश प्रजापत तथा कविता पाठ में हिम्मत सिंह, खुशबू शर्मा और नरेन्द्र कुमार विजेता रहे।

वाद–विवाद मे खुशबू व नृत्य में गायत्री अव्वल

अरावली शिक्षक महाविद्यालय द्वारा पंचम अरावली अन्तर महाविद्यालय वाद विवाद एवं एकल नृत्य प्रतियोगिता में महाविद्यालय के खुशबू शर्मा, लोकेश जोशी, गायत्री पुरोहित एवं पूजा ने भाग लिया। ''आर्थिक आधार पर आरक्षण सामाजिक विकास का परिचायक है'' विषय पर पक्ष में बोलते हुए खुशबू शर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में 22 महाविद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। एक अन्य कार्यक्रम एकल नृत्य प्रतियोगिता में महाविद्यालय की गायत्री शर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। दोनों विजेताओं को चल वैजयंती, ₹500 एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर पुरस्कृत किया गया।

वर्ष 2013 के सुखाड़िया विश्वविद्यालय के कला संकाय में स्नातक स्तर पर वरीयता सूची में तृतीय स्थान प्राप्त करने पर खुशबू को सोसायटी अध्यक्ष रियाज तहसीन ने रूरल इंस्टीट्यूट में आयोजित समारोह में पुरस्कृत किया।

शहीद दिवस पर बापू को श्रद्धांजलि

शहीद दिवस पर महाविद्यालय परिवार की ओर से बापू को श्रद्धाजंलि दी गई। वेद्दान सुधीर ने विश्व मानव गांधी को देवता के रूप में पूजने के स्थान पर मानव के रूप में समीक्षात्मक अध्ययन करते हुए स्वीकारने को वर्तमान युग की आवश्यकता बताया। किशोर संत ने गांधी विचार और गांधी को समझने के लिए एक्टिविस्ट बने रहने का आग्रह किया। सोसायटी के व्यवस्था सचिव एस.पी. गौड़, प्राचार्य डा. सुगन शर्मा एवं प्रो. एम. पी. शर्मा ने भित्ति पत्रिकाओं का विमोचन किया। जल संरक्षण एवं पर्यावरण चेतना विषयक रैली निकाली गई।

'उन्मुक्त गगन शिविर' राजसंमद में

महाविद्यालय का पांच दिवसीय उन्मुक्त गगन शिविर नवंबर में राजसंमद के तुलसी साधना शिखर पर आयोजित हुआ। शिविर प्रायोजना का विषय ''वैश्वीकरण का राजसंमद जिले के पर्यावरण , स्वशासन संस्कृति व समुदाय एवं जीविकोपार्जन क्षेत्रों पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन'' रखा गया। महाविद्यालय विद्यार्थियों ने राजसंमद जिले के स्थानीय उद्योगों, कृषि विज्ञान केन्द्र, धोइन्दा, वन विभाग, प्रशासनिक इकाइयों, सिंचाई विभाग और मार्बल इकाइयों से आंकड़े एकत्रित किए। आंकड़ों के अध्ययन से प्राप्त निष्कर्षों को चार्ट एवं मॉडल के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी में स्थानीय निवासियों ने भी भाग लिया।

स्कूल कैसा होता है? स्कूल कैसे चलता है?

महाविद्यालय का सघन शिक्षण अभ्यास कार्यक्रम जनवरी में हुआ। कार्यक्रम में बी. एड. विद्यार्थियों ने स्कूल के संगठन और कार्यप्रणाली को जाना और विद्यालय संबंधी रिकार्ड के उद्देश्य एवं उनको व्यवस्थित रखने के तरीकों को भी सीखा। कार्यक्रम वल्लभनगर, कविता, ईसवाल व लोसिंग के विद्यालयों में हुआ।

बसंतोत्सव : बसंतोत्सव पर नृत्य, गीत एवं कविता प्रतियोगिता तथा शहीद दिवस पर ''गांधी के सपनों का भारत'' विषयक पोस्टर, निबंध, स्लोगन एवं आशुभाषण प्रतियोगिता हुई।

विद्या भवन कला संस्थान (बी.एस.टी.सी.)

खेलकूद से समावेशी शिक्षा

संस्थान की वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में स्थानीय एवं पारम्परिक खेलों का समावेश किया गया। प्रत्येक विद्यार्थी शिक्षक को तीन खेलों में भाग लेने की अनिवार्यता के साथ प्रतिभा प्रदर्शन के अवसर दिए गए। खेलकूद प्रतियोगिता मे समावेशी शिक्षा का भी अवसर दिया गया। इसके अंतर्गत अब तक जो खेल लड़कियों के लिए ही उपयुक्त माने जाते थे उनमें लड़कों ने भी भाग लिया। वहीं लड़कों के वर्चस्व वाले खेलों में लड़कियों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। विभिन्न खेलों में विजेता विद्यार्थी शिक्षकों को पुरस्कृत किया गया।

विद्यालय अनुभव कार्यक्रम

विद्यालय अनुभव कार्यक्रम छः विद्यालयों में चलाया गया, जिसमें शिक्षण कार्य से लेकर विद्यालय में संचालित होने वाली गतिविधियों का संचालन किया गया। प्रत्येक विद्यार्थी शिक्षक को दो माह पंद्रह दिवस तक एक ही विद्यालय में रहकर कार्य करने का मौका देकर विद्यार्थी, विद्यालय व आसपास के समुदाय की समझ विकसित की गई। संस्थान उक्त कार्यक्रम के कई पक्षों को एस.टी.सी. के नवीन पाठ्यक्रम के सन्दर्भ में एस.आई.ई. आर.टी. द्वारा निर्मित इंटर्नशिप कार्यक्रम से जोड़ने का प्रयास कर रहा है।

वार्षिकोत्सव एवं टी.एल.एम. प्रदर्शनी

द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों की ओर से टी. एल.एम. कार्यशाला में निर्मित शिक्षण अधिगम सामग्री की प्रदर्शनी लगाई गई। प्रदर्शनी का उद्घाटन सोसायटी के अध्यक्ष रियाज़ तहसीन ने किया। आगन्तुकों ने शिक्षा एवं कार्यानुभव के प्रायोगिक कार्य में निर्मित सामग्री की प्रशंसा की। विद्यालय में वर्ष भर आयोजित विभिन्न गतिविधियों में विजेता विद्यार्थी शिक्षकों को पुरस्कार दिए। इस मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ।

स्काउट गाइड कैम्प

एस.टी.सी. के विद्यार्थी शिक्षकों ने स्काउट गाइड कैम्प में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कैम्प में चार प्रारंभिक शिक्षक शिक्षा विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कैम्प का उद्देश्य विपरीत परिस्थितियों में सुविधाओं के अभाव में नवीन सदस्यों के साथ समायोजन करना व स्वयं की नैसर्गिक प्रतिभाओं के विकास के अधिकतम अवसर उपलब्ध करवाना था। संस्थान के विद्यार्थी बाबू लाल सेन को बेस्ट रोवर्स के रूप में सम्मानित किया गया। कैम्प में छात्राध्यापकों ने समूह में खाना बनाना, साफ–सफाई करना सीखा। प्रतिदिन विभिन्न प्रतियोगिताएं भी हुई।

प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन

संस्थान के विद्यार्थियों ने चार प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। सामान्य ज्ञान, कविता पाठ एवं समूह गान में प्रथम स्थान, आशुभाषण में द्वितीय स्थान तथा वाद–विवाद में तृतीय स्थान प्राप्त किया। ये प्रतियोगिताएं अरावली एस.टी.सी., निम्बार्क एस.टी.सी., मंत्रम एस.टी.सी. तथा डबोक एस.टी.सी. में आयोजित की गईं।

मॉड्यूल निर्माण में भागीदारी

एस.टी.सी. के नवीन पाठ्यक्रम की पठन सामग्री निर्माण में संस्थान के प्राध्यापकों की भागीदारी रही। साथ ही शिक्षक प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए मॉड्यूल निर्माण में भी संस्थान के सदस्य लगातार जुड़े रहे हैं। इंटर्नशिप मार्गदर्शिका के संदर्भ में डाइट प्राचार्यो एवं कार्यक्रम प्रभारी के प्रशिक्षण में भी संस्थान सदस्यों का योगदान रहा।

परीक्षा केन्द्र के रूप में चयन

उदयपुर जिले की एस.टी.सी. परीक्षाओं के आयोजन के लिए संस्थान का चयन किया गया। इसी कड़ी में द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों की परीक्षाओं का कार्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित किया गया। आगामी परीक्षाएं जून में संभावित हैं।

संकाय सदस्यों की क्षमतावर्द्धन

विद्या भवन सोसायटी की अनुशंसा पर फैकल्टी डवलपमेंट कमेटी का गठन किया गया है। यह कमेटी केपेसिटी बिल्डिंग वर्कशॉप के माध्यम से सोसायटी के शैक्षिक एवं गैर शैक्षिक कार्यकर्ताओं की क्षमतावर्द्धन के लिए कार्य कर रही है। एस.टी.सी. प्राचार्य डा. भगवती अहीर को कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है। जनवरी से मार्च के दौरान 'रीडिंग राइटिंग' वर्कशॉप में सभी संस्थाओं के शैक्षिक कर्मचारियों ने भाग लिया। फरवरी में रूरल इंस्टीट्यूट के शैक्षिक कर्मचारियों के लिए वर्कशॉप आयोजित कर 'केपेसिटी डवलपमेंट वर्कशॉप मॉड्यूल' तैयार किया गया जिसमें विद्या भवन सेवा नियम, रिसर्च मैथडोलॉजी, टीचिंग मैथडोलॉजी, लेटेस्ट डवलपमेंट इन ह्यूमेनेटीस एंड सोशल सर्विस आदि विषय शामिल किए गए। इसमें संस्थान के 16 सदस्यों ने भाग लिया। मॉड्यूल प्रो. ए.बी. फाटक, प्रो. एम. पी. शर्मा, प्रो. अरुण चतुर्वेदी, डा. आर. के. गर्ग, सोसायटी के व्यवस्था सचिव एस. पी. गौड़ एवं एज्यूकेटिव ऑफिसर जाहिद मोहम्मद के मार्गदर्शन में तैयार किया गया।

विद्या भवन शिक्षा संदर्भ केन्द्र

देश में स्कूली शिक्षा पर एक महत्त्वपूर्ण संदर्भ केन्द्र के रूप में स्थापित विद्या भवन शिक्षा संदर्भ केन्द्र ने गत तीन माह में पुस्तकालय शिक्षकों के लिए पाठ्यक्रम शुरू किया और नए पाठ्यक्रमों व पाठ्यपुस्तकों के निर्माण के साथ ही शिक्षकों को उनके उपयोग के लिए तैयार भी किया।

स्कूलों के साथ काम

शिक्षा केन्द्र विद्या भवन एवं क्वेस्ट स्कूलों में शिक्षकों के साथ–साथ बच्चों के अकादमिक उन्नयन के लिए भी निरन्तर प्रयासरत है। शिक्षा केन्द्र के चार सदस्य विद्या भवन स्कूलों में बतौर शिक्षक(3) एवं बतौर पुस्तकालय शिक्षक काम कर रहे हैं। ये बच्चों एवं शिक्षकों को अकादमिक मदद देते हैं जैसे बच्चों के साथ विभिन्न गतिविधियां करवाने के साथ कक्षा में उनके सीखने के स्तर के अनुरूप भी काम करते हैं। शिक्षा केन्द्र द्वारा बच्चों को पाठ्यपुस्तकों की अवधारणाओं को बेहतर समझा पाने और अभ्यास के लिए अतिरिक्त सामग्री उपलब्ध करवायी जा रही है। शिक्षक इन कार्यपुस्तिकाओं के साथ काम करते हैं। केन्द्र स्कूलों में सक्रिय पुस्तकालय कायम करने तथा बच्चों के सीखने–सिखाने में पुस्तकालय की भूमिका को अधिक सक्रिय एवं रोचक बनाने के लिए प्रयासरत है। इसके लिए समय–समय पर विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं और उनके लिए बराबर फीडबैक भी दिया जा रहा है।

केन्द्र शिक्षकों को अध्यापन में मदद और उनकी क्षमताओं को विकसित करने के लिए भी लगातार चर्चाएं एवं कार्यशालाएं आयोजित कर रहा है ताकि शिक्षक अपनी समझ को अन्य साथियों के साथ साझा कर पाएं और बच्चों को सीखने के बेहतर मौके उपलब्ध करवा पाएं। इसी क्रम में शिक्षकों की नेतृत्व क्षमता एवं स्वामित्व भावना के विकास के लिए स्कूल की वार्षिक योजना बनाने, उसके लिए रणनीतियां तय करने के मौके उपलब्ध करवाना, शिक्षा केन्द्र के दायित्व का एक हिस्सा है। विभिन्न कार्यक्रमों एवं पाठ्यक्रमों में शिक्षकों को भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करना शिक्षक क्षमताओं को नया आयाम देने के लिहाज से भी केन्द्र मददगार साबित हुआ है। इसी के तहत विद्या भवन के 6 पुस्तकालय शिक्षकों के लिए क्षमतासंवर्धन पाठ्यक्रम सफलता पूर्वक पूर्ण किया गया। शिक्षक विभिन्न राज्यों के लिए डी.एड. कोर्स एवं अन्य प्रकार की सामग्री निर्माण में सक्रिय रूप से जुड़े हैं।

पुस्तकालय शिक्षक के लिए छह–माही पाठ्यक्रम

शिक्षा केन्द्र एवं सर रतन टाटा ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में 'पुस्तकालय शिक्षक की क्षमता संवर्धन' हेतु छमाही कोर्स चलाया जा रहा है। प्रतिभागियों के लिए भारत के विभिन्न प्रांतों में स्थित कार्यस्थलों पर कोर्स का प्रभाव देखने के उद्देश्य से शिक्षा केन्द्र द्वारा अवलोकन एवं आधे दिन की कार्यशाला का आयोजन किया गया। 25 से 27 फरवरी के दौरान कोर्स के अन्तिम संपर्क कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रतिभागियों ने फील्ड प्रोजेक्ट का प्रस्तुतीकरण एवं पुस्तकालय से जुड़ी समग्र समझ को साझा किया।

आन्ध्र–प्रदेश की नई पुस्तकें बनाईं, शिक्षकों का उन्मुखीकरण

शिक्षा केन्द्र द्वारा आंध्रप्रदेश एस.सी.ई.आर.टी. के साथ माध्यमिक कक्षाओं के लिए गणित और विज्ञान की नई पाठ्यपुस्तकें विकसित की गई हैं। ये पाठ्यपुस्तकें विषयवस्तु एवं शिक्षण विधि की दृष्टि से पुरानी से काफी फर्क हैं। शिक्षकों को इन पाठ्यपुस्तकों की सोच एवं विधि से परिचित करवाने के लिए शिक्षा केन्द्र द्वारा प्रशिक्षण मॉड्यूल बनाया गया। इसी क्रम में जनवरी में शिक्षकों के लिए आयोजित उन्मुखीकरण कार्यशाला में 54 शिक्षकों ने भाग लिया।

शिक्षकों की भाषायी एवं गणितीय समझ पर शोध एवं सामग्री विकास

विप्रो द्वारा समर्थित WATIS परियोजना के तहत शिक्षकों की भाषा एवं गणितीय समझ को जानने के लिए एक शोध प्रस्तावित किया गया। इसके लिए टूल्स का निर्माण किया गया। उदयपुर शहर के 50 सरकारी एवं निजी विद्यालयों के शिक्षकों के साथ इन शोध उपकरणों की पायलटिंग की गई, जिसके विश्लेषण की प्रक्रिया जारी है। परियोजना के तहत बच्चों एवं शिक्षकों के लिए सामग्री विकसित की जा रही है जो भाषा एवं गणित सीखने–सिखाने में मददगार साबित होगी।

सतत् मूल्यांकन पर कार्यशाला

क्वेस्ट परियोजना के तहत शिक्षा केन्द्र पिछले 4 वर्षों से बच्चों एवं शिक्षकों को हर तरह की अकादमिक मदद उपलब्ध करवा रहा है। इसी कड़ी में क्वेस्ट के सभी सरकारी स्कूली शिक्षकों की जरूरत को समझते हुए 28 एवं 29 जनवरी को सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन आधारित कार्यशाला में 30 शिक्षकों ने भाग लिया। यह कार्यशाला काफी हद तक सी.सी.ई. से जुड़ी उनकी भ्रान्तियों के निराकरण में कामयाब रही।

प्रारम्भिक बाल्यावस्था में देखभाल एवं शिक्षा का परिदृश्य

शिक्षा केन्द्र ने यूनिसेफ के साथ मिलकर प्रारम्भिक बाल्यावस्था में देखभाल एवं शिक्षा के वर्तमान परिदृश्य को समझने एवं उसकी बेहतरी हेतु संभावनाओं को तलाशने के लिए एक शोध प्रस्तावित किया है। यह शोध राजस्थान के उदयपुर एवं डूंगरपुर जिलों के 2–2 खण्डों में प्रस्तावित है। इसके लिए बुनियादी उपकरणों का निर्माण एवं पायलटिंग की जा चुकी है तथा अप्रैल में आंकड़ों का संकलन प्रारम्भ किया जाएगा।

डी.एड. पाठ्यक्रम निर्माण

एस.सी.ई.आर.टी. आंध्रप्रदेश के साथ मिलकर शिक्षा संदर्भ केन्द्र शिक्षा में दो वर्षीय डिप्लोमा कोर्स के लिए पाठ्यक्रम के निर्माण में लगा है। इसके तहत 13 विषयों से संबंधित विषयवस्तु का चयन कर उन्हें इकाइयों में विभाजित किया गया। इसका पहला ड्राफ्ट मय संदर्भ एस.सी.ई.आर.टी., आंध्रप्रदेश को टिप्पणी के लिए भेजा गया है।

बिहार में शिक्षक क्षमता संवर्धन

उदयपुर एवं पटना की संयुक्त टीम द्वारा

24 से 28 फरवरी तक कुमारबाग डायट, जिला बेतिया में कार्यशाला का आयोजन किया गया।
कार्यशाला शिक्षकों को नवीन पुस्तकों की रचनावादी शिक्षण प्रक्रिया के प्रति समझ बनाने के उद्देश्य से रखी गई। जिसमें संकुल संदर्भ केन्द्र समन्वयक एवं ब्लॉक संदर्भ व्यक्ति सहित 35 शिक्षकों ने हिस्सा लिया।

बिहार में कक्षा शिक्षण प्रक्रिया में बदलाव के लिए सीधा बच्चों के साथ कक्षाओं में काम किया जा रहा है। गत तिमाही में बिहार टीम द्वारा तैयार कार्य पुस्तिकाओं के साथ बच्चों के स्वतंत्र/मौलिक लेखन को लेकर कविता और कहानी के साथ काम किया गया जिसके तहत बच्चों ने एकल व समूह में कहानियां लिखी एवं कहानियों को आगे बढ़ाया।

पाठ्यपुस्तक समीक्षा
शिक्षा केन्द्र, छत्तीसगढ़ की प्रारम्भिक कक्षाओं की भाषा एवं गणित की तथा प्राथमिक कक्षाओं की पर्यावरण अध्ययन की पाठ्यपुस्तकों की समीक्षा पर काम कर रहा है। इसका उद्देश्य इन पुस्तकों को राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 एवं शिक्षा का अधिकार कानून 2009 के संदर्भ में देखना है।

विद्या भवन स्थानीय स्वशासन एवं उत्तरदायी नागरिकता संस्थान

पंचायती राज के जनप्रतिनिधियों को जागरूक एवं सशक्त बनाने के लिए संस्थान के क्षमता संवर्द्धन कार्यक्रमों के साथ ही बड़गांव व गोगुन्दा की 24 ग्राम पंचायतों में सघन कार्य किया जा रहा है। गांव व फले के स्तर पर लोकतान्त्रिक प्रक्रिया में ग्रामवासियों के जुड़ाव के लिए वार्ड सभायें की गईं। पंचायती राज के चुनाव–2010 के बाद से संस्थान के कार्यों के मूल्यांकन की प्रक्रिया शुरू की गई, वहीं संस्थान का वित्तीय अंकेक्षण किया गया।

वॉर्ड सभा में विकास के प्रस्ताव
गत तीन माह में बड़गांव पंचायत समिति की ग्राम पंचायतों वरड़ा, कड़िया, लोसिंग व ईसवाल तथा गोगुन्दा पंचायत समिति की ग्राम पंचायतों रावलिया खुर्द, चित्रावास, विसमा, चोरबावड़ी व पानेर में 12 वॉर्ड सभाएं हुईं। इनमें कुल 484 सदस्यों ने भाग लिया, जिनमें 59 प्रतिशत महिलायें थीं। इसके अतिरिक्त कड़ियां में एक अनुगमन बैठक हुई। चर्चा के विषयों में अनियमित बच्चों को शिक्षा से जोड़ना, गर्भवतियों एवं बच्चों को नियमित टीकाकरण से जोड़ना, पोषाहार की गुणवत्ता बनाये रखना, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की जानकारियां, बाघेरी नाका से पानी संबंधित गांवों तक पहुंचाना, शौचालय निर्माण आदि विषय थे।

संस्थान के काम का मूल्यांकन शुरू
वर्ष 2010 में पंचायती राज के चुनाव के बाद जनप्रतिनिधियों की क्षमता संवर्द्धन तथा सघन कार्यक्रम के लिए चयनित ग्राम पंचायतों में संस्थान के कार्यों का मूल्यांकन जनवरी में शुरू हुआ। उदयपुर ज़िले की 36 ग्राम पंचायतों में मूल्यांकन के लिए सर्वे किया गया। इनमें सघन कार्य के लिए चयनित गोगुन्दा एवं बड़गांव पंचायत शामिल हैं। ग्राम पंचायतों में सरपंच, वॉर्ड पंच तथा महिला व पुरुष समूहों से क्षेत्रीय समन्वयक, प्रशिक्षण सहायक एवं पंचायत मित्रों ने बात की और मूल्यांकन अनुसूचियां भरीं। इनका विश्लेषण कर अन्तिम रिपोर्ट तैयार की जाएगी।

बाह्य अंकेक्षण में कार्य की सराहना
'उदयपुर ज़िले में स्थानीय स्वशासन का सशक्तीकरण' विषयक प्रोजेक्ट के अनुदानकर्ता टाटा ट्रस्ट्स् की ओर से संस्थान की वित्तीय कार्यप्रणाली का बाह्य मूल्याकन करवाया गया। हैदराबाद स्थित प्रतिष्ठित ऑडिटर अजानी की चार्टर्ड अकाउन्टेण्ट रोज़मिन अजानी एवं यास्मीन परबतानी द्वारा ऑडिट किया गया। उन्होंने अपनी रिपोर्ट में संस्थान के कार्यों, लेखा, स्टॉक एवं रिकॉर्ड संधारण की सराहना करते हुए उत्तरोत्तर बेहतरी के लिए सुझाव दिए।

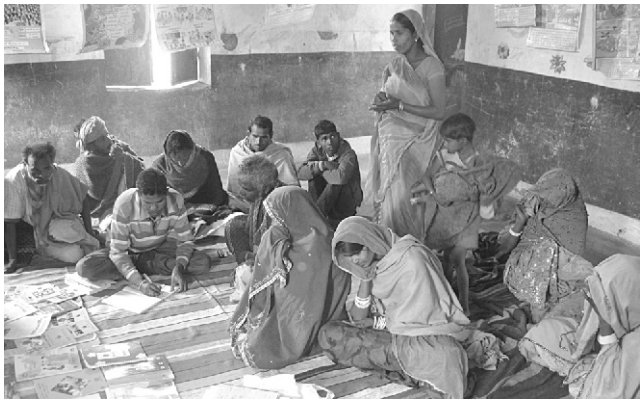

गुजरात के जनप्रतिनिधियों ने जाना राजस्थान का पंचायती राज
गुजरात के पंचायती राज के जनप्रतिनिधियों तथा महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने राजस्थान पंचायती राज एवं संस्थान की जानकारी प्राप्त की। विद्या भवन शिक्षा संदर्भ केन्द्र के सूरत कार्यक्षेत्र से जनप्रतिनिधियों ने संस्था का दौरा किया। अट्ठारह सदस्यीय दल को स्थानीय स्वशासन के सशक्तीकरण में संस्थान के क्षमता संवर्द्धन कार्यक्रम एवं ग्राम पंचायतों में सघन कार्य की जानकारी दी गई तथा संस्थान द्वारा प्रकाशित संदर्भ साहित्य प्रदान किया गया। इसी प्रकार, दाहेमी (आणन्द) स्थित पी.पी. पटेल कॉलेज ऑफ सोशल साइन्सेज़ के 26 सदस्यीय दल ने संस्थान में पंचायती राज एवं संस्थान की कार्यप्रणाली समझी।

आंगनवाड़ी में सुविधाओं के प्रयास
बड़गांव की चयनित ग्राम पंचायतों की आंगनवाड़ी एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, सम्बन्धित विभागों के कार्मिकों एवं जनप्रतिनिधियों की कार्यशाला 7 जनवरी को विद्या भवन कृषि विज्ञान केन्द्र में हुई। आंगनवाड़ी के कार्यकर्ताओं ने आंगनवाड़ी केन्द्रों पर शौचालय, दरी, खिलौने आदि नहीं होने की जानकारी दी। इस पर जनप्रतिनिधियों एवं कार्मिकों ने विभागीय स्तर पर समाधान के साथ ही सामुदायिक योगदान के लिए प्रयास करने का आश्वासन दिया। किशोरी बालिकाओं, गर्भवती, धात्री एवं बच्चों के लिए सन्दर्भ साहित्य के उपयोग पर चर्चा की गई।

विद्या भवन प्रकृति साधना केन्द्र

प्रकृति की गोद में बसे विद्या भवन प्रकृति साधना केन्द्र की ऊर्जा ज़रूरतों को भी प्राकृतिक स्रोतों से ही पूरा किया जा रहा है। गत तीन माह में विद्यार्थियों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने यहां प्रकृति के महत्त्व को जाना, वहीं स्थानीय ग्रामवासियों के साथ सामाजिक–राजनैतिक मुद्दों पर भी चर्चा हुई।

सोलर पैनल की बिजली का उपयोग

प्रकृति साधना केन्द्र पर सौर ऊर्जा का संचय कर सोलर पैनल का प्रयोग प्रारंभ कर दिया गया है। सोलर पैनल से प्राप्त बिजली का उपयोग जहां विभिन्न उपकरणों को संचालित करने के लिए किया जा रहा है वहीं इससे कमरों में बिजली की व्यवस्था भी की जा रही है। अब विभिन्न कैंपों के दौरान विषय विशेषज्ञ अपना प्रस्तुतीकरण पावरपॉइंट के माध्यम से भी दे पा रहे हैं।

पर्यावरण के साथ पंचायतीराज के महत्त्व को जाना

प्रकृति साधना केन्द्र पर स्थानीय गांव भीलों का बेदला के ग्रामीणों के साथ सामाजिक मुद्दो पर हुई चर्चा में यहां की महिलाओं, पुरुषों एवं युवाओं ने भाग लिया। परिचर्चा में शिक्षा, पर्यावरण, कृषि, धार्मिक, सामाजिक एवं पंचायतीराज के महत्त्व के बारे में चर्चा हुई। चर्चा में पंचायतीराज संस्थान के हेमराज भाटी तथा कृषि विज्ञान केन्द्र के डॉ. आनन्द सिंह जोधा ने स्थानीय निवासियों की समस्याओं का निराकरण करते हुए सकारात्मक सुझाव दिये।

नेचर कैम्प में ट्रैकिंग का मजा

विद्या भवन सी. सै. स्कूल के 165 विद्यार्थियों ने दो दिवसीय "नेचर कैम्प" में भाग लिया। इस दौरान विद्यार्थियों ने डा. आनंद सिंह जोधा के सान्निध्य में ट्रैकिंग का लुत्फ उठाया। विद्यार्थियों ने विभिन्न वनस्पतियों एवं इनकी उपयोगिता के बारे में जाना। शिक्षा संदर्भ केन्द्र के पुष्पराज राणावत ने जैव–विविधता, पर्यावरण अवलोकन तथा पक्षियों के स्वभाव के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का पुनश्चर्या प्रशिक्षण

विद्या भवन आंगनवाड़ी केन्द्र का एक दिवसीय पुनश्चर्या प्रशिक्षण 01 जनवरी 2014 को आयोजित हुआ। प्रशिक्षण के दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को पर्यावरण से सम्बन्धित जानकारी देते हुए इसके रख–रखाव में उनकी सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया। कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि वे गांवों में पर्यावरण के प्रति चेतना जागृत करते हुए पेड़–पौधों की रक्षा करने के लिए ग्रामीणों को प्रेरित करेंगी। उन्होंने माना कि हम सभी का दायित्व बनता है कि प्रति व्यक्ति एक पौधारोपण कर उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी का वहन करें।

कॉलेज के विद्यार्थियों का शैक्षिक भ्रमण

ऐश्वर्या एस.टी.सी. महाविद्यालय के 46 विद्यार्थियों ने प्रभारी शरण काला के साथ केन्द्र पर शैक्षिक भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान वार्ताओं का भी आयोजन किया गया। विद्या भवन रूरल इंस्टीट्यूट की प्राध्यापक डॉ. अर्चना जैन ने राष्ट्रीय सेवा योजना का महत्त्व और विद्यार्थियों की भागीदारी विषय पर तथा डॉ. मनोज राजगुरु ने पंचायतीराज एवं उनके अधिकारों तथा लोकतंत्र के सम्बन्ध में वार्ता दी तथा विद्यार्थियों से चर्चा की।

Experience of Teaching Science

I am grateful to my supervisors in VBS for giving me an opportunity to teach Science in Vidya Bhawan Public School.

Working with 30 class VI students from April 2014 has been a pleasant experience; I concentrated more on the informal mode of teaching. The students spent a fair bit of their time outside the class learning concepts under informal conditions. Discussions on non – availability of enough food to a large section of the society; interrelationship between different science disciplines, geochemical cycles; children's museum trip experiences were conducted outside the classroom confines. Not only the students participated actively in these discussions, but they spent time with the teacher outside the classroom.

Not just science and math, but also different science disciplines go hand in hand. To convince students of this in class, we went beyond in the confines of the science text book. In order to evaluate the interdependence of science and math, we discussed the role of mathematical concepts in science and visited higher level science and math text books to show the presence of the same chapters. To determine if different science disciplines were interrelated, we sometimes continued with the discussions in the geography class that preceded science.

To emphasize the role of group discussion and public speaking in science education, students were advised to discuss in groups topic of interest (eg., reasons of food shortage and ways to alleviate the problem). Following this, they were asked to present their observations to the class. This to me is of importance to the students. It builds team work and removes fear of speaking in public.

The process will be continued post summer break along with going over chapters in the science text book.

Arindam Chakraborty
Vidya Bhawan Education Resource Centre

विद्या भवन कृषि विज्ञान केन्द्र

ऑन फार्मिंग टेस्टिंग

किसानों के खेतों पर ऑन फार्मिंग टेस्टिंग गतिविधियां करवाई गई। कृषि वैज्ञानिकों के सान्निध्य में आयोजित इन गतिविधियों में कृषकों को नवीनतम जानकारियां उन्हीं के खेतों पर दी गई। जोधपुरिया और भीलों की भागल में आयोजित कार्यक्रम में 20 किसानों ने भाग लिया।

केन्द्र की ओर से किसानों, किसान महिलाओं, ग्रामीण युवा और प्रसार कार्यकर्ताओं के लिए भी विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण आयोजित किए गए। इनमें कुल 54 प्रशिक्षण अयोजित किए गए जो केन्द्र पर 3 दिवसीय 7 प्रशिक्षण, केन्द्र से बाहर 46, प्रसार प्रशिक्षण 2 तथा 54 प्रायोजित प्रशिक्षण आयोजित किए गए। इनमें 1147 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया।

नवीन तकनीक आधारित प्रदर्शन

किसानों को नवीनतम तकनीक से रूबरू कराने के उद्देश्य से केन्द्र ने उनके लिए कई कार्यक्रम आयोजित करवाए। इन कार्यक्रमों में प्री बायोटिक इन बफैलों के अंतर्गत 50 भैंस, बीजू बकरा और न्यूनतम लागत सोलर कूकर के 25 सोलर कूकर का प्रदर्शन किया। ये प्रदर्शन कार्यक्रम राठौड़ा, भीलों की भागल, मां खेरी और सगतपुरा में आयोजित किए गए।

फसलों का प्रदर्शन

नवीन फसलों के प्रकार और प्रैक्टिस क्रॉप के वैज्ञानिक पैकेज के साथ फसलों को प्रदर्शन किया गया। सरसों, गेहूं, मूंग और भिंडी की फसलों की माल खेजड़ी, भीलों की भागल, जामूला घाटा, जोधपुरिया, सगतपुर में आयोजित प्रदर्शनी में 292 किसानों ने भाग लिया।

प्रसार गतिविधियां, किसानों को प्रोत्साहन

केन्द्र की ओर से विभिन्न प्रसार गतिविधियों का आयोजन हुआ। गतिविधियों के आयोजन का उद्देश्य किसानों को संपोषित कृषि के लिए प्रोत्साहन देना था। इनमें किसान मेला, फील्ड डे, प्रदर्शन, फिल्म शो, किसान गोष्ठी और पानी व मिट्टी के नमूनों का विश्लेषण शामिल था। इसमें 6328 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया।

विद्या भवन स्कूल में प्रोजेक्ट कार्य

सभी भाषाओं के कक्षा–6, 7 व 8 के टीचर्स ने आपसी विमर्श के बाद यह तय किया कि हर साल की तरह इस बार भी बच्चों को प्रोजेक्ट कार्य दिया जाएगा। बाकी चीजों की तरह इसमें भी शिक्षकों को पूरी आजादी थी कि वे किसी भी तरह का प्रोजेक्ट बच्चों को करने को दें, बच्चों के स्तर के अनुसार मूल्यांकन के पैमाने सुनिश्चित करें, इत्यादि। इस स्वतंत्रता का पूरा फायदा उठाते हुए बच्चों को सामूहिक प्रोजेक्ट कार्य बांटे गए। इनमें लाइब्रेरी, कक्षा, कॉरीडोर व कैंटीन के नियम लिखना; कक्षा, स्टाफ रूम, कैंटीन आदि के लिए कैलेण्डर बनाना आदि शामिल था। एक समूह ने अपनी कक्षा को 'ब्ल्यू अम्ब्रेला' फिल्म दिखाने की व्यवस्था की, जो कि रस्किन बांड की कहानी पर आधारित थी। फिल्म की सी.डी. के लिए उदयपुर फिल्म सोसायटी को पत्र लिखना, प्रिंसिपल सर से अनुमति लेना, यह सब बच्चों ने किया। एक ज़रूरी हिस्सा– फिल्म प्रदर्शन के बाद उस पर बातचीत करना व कुछ लिखना– यह नहीं हो पाया।

एक अन्य समूह ने स्कूल व हॉस्टल के बारे में रोचक कहानियां व तथ्य एकत्रित किए। वहीं कुछ आठवीं कक्षा के बच्चों ने जूनियर स्कूल की लाईब्रेरी में जाकर कक्षा–3, 4 व 5 के बच्चों के साथ किताबें पढ़ी, नए शब्दों पर चर्चा की, वाक्य बनवाए इत्यादि। उन्होंने 2 सप्ताह में 4 कालांश इस कार्य को जारी रखा व अपने अनुभव रिकॉर्ड किए। बाकी कुछ समूहों ने भाषा के विषय जैसे– विशेषण (adjectives) पर काम किया, कुछ ने स्कूल में गत वर्ष का न्यूजलैटर तैयार किया। एक ग्रुप ने अपना व अपनी ग्रुप टीचर का फैमिली ट्री तैयार किया।

तीनों कक्षाओं के सामूहिक प्रोजेक्ट कार्य के समन्वयन में थोड़ी कठिनाई हुई। पर इस समस्या से निबटने के लिए रणनीति भी सोच ली गई जिससे अगले सत्र में बच्चों व शिक्षकों को मदद मिलेगी।

ऐसा अनुभव किया गया कि समूह में काम करना बच्चों को बेहद पसंद तो है, पर कक्षा–7 व 8 में आते–आते उनको ऐसा करने के अवसर कम मिलते हैं। जबकि होना उल्टा चाहिए। शुरूआत में बहुत बच्चों ने ग्रुप–वर्क का विरोध किया। वे अकेले ही काम करने की जिद करते। सब बच्चों का तो दावे के साथ नहीं कहा जा सकता पर उनमें से कई ग्रुप–वर्क में मजा लेने लगे।

पंखुड़ी
विद्या भवन शिक्षा संदर्भ केन्द्र

विद्या भवन अकाउण्ट्स एण्ड फाईनेन्स

रांका मुख्य वित्त अधिकारी नियुक्त

विद्या भवन सोसायटी के संशोधित संविधान के अनुच्छेद 14.1.9 के अनुसार वी.के. रांका, प्रधान (लेखा एवं वित्त) को मुख्य वित्त अधिकारी पद पर पुनः पदनामित किया गया है।

लेखाकारों के साक्षात्कार

मार्च में लेखाकार एवं सह लेखाकारों की नियुक्ति के लिए साक्षात्कार आयोजित किए गए। इन दोनों पदों के लिए साक्षात्कार पैनल तैयार किए गए। तीन नवनियुक्त कर्मचारियों (1 लेखाकार और 2 सह लेखाकार) के लिए नियुक्ति पत्र जारी किए गए। दो सह–लेखाकारों को लेखाकार पद पर पदोन्नत किया गया। इसके परिणामस्वरूप लेखा विभाग में कर्मचारियों की अदला–बदली हुई।

फीस सॉफ्टवेयर के क्रय आदेश

टैली संगत फीस सॉफ्टवेयर कॉलेज सॉफ्ट के लिए M/S वेलफेयर इनफोटेक, रायपुर, छत्तीसगढ़ को क्रय आदेश दे दिया गया है। यह बहु–उपयोगकर्ता सॉफ्टवेयर छात्रों से संबंधित लगभग सभी प्रकार के विवरण जैसे– छात्र प्रबन्धन, फीस प्रबन्धन, प्रमाणपत्र प्रबन्धन, छात्रावास प्रबन्धन, पुस्तकालय प्रबन्धन और बकाया फीस के बारे में एसएमएस के द्वारा अनुस्मारक के रूप में विभिन्न प्रकार से सहयोग प्रदान करेगा।

आयकर निर्धारण शून्य मांग के साथ सम्पन्न

वर्ष 2010–11 के लिए आयकर निर्धारण, शून्य मांग के साथ सम्पन्न हुआ। विभाग के द्वारा मामला विचाराधीन चल रहा था।

एम.कॉम छात्रों के लिये प्रशिक्षण योजना का शुभारंभ

स्नातकोत्तर छात्रों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से, अध्यक्ष विद्या भवन सोसायटी ने एक योजना पर सहमति प्रदान की जिसके अनुसार रूरल इंस्टीट्यूट के सर्वोच्च अंक (पूर्वार्द्ध एवं उत्तरार्द्ध दोनों वर्षों में) प्राप्त करने वाले चार विद्यार्थियों को ₹4000 प्रतिमाह के मानदेय पर 4 माह का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इस प्रशिक्षण के पूर्ण होने पर उन्हें एक प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा, जो उन्हें नौकरी प्राप्त करने में सहायक होगा। इस अवधि के प्रशिक्षण की रूपरेखा तय की जाएगी।

सी.ए./सी.एस. एवं सी.एम.ए.के लिए कोचिंग कक्षाएं

यह तय किया गया है कि इन पेशेवर पाठ्यक्रमों के लिए कोचिंग कक्षाएं प्रारम्भ की जाएं। इससे न केवल हमारे छात्रों को अपना भविष्य बनाने में मदद मिलेगी बल्कि बोर्ड/विश्वविद्यालय परीक्षाओं में बेहतर अंक प्राप्त करने में भी मदद मिलेगी, क्योंकि इन पाठ्यक्रमों के अधिकांश पर्चे बोर्ड/विश्वविद्यालय परीक्षाओं के समान ही हैं।

शैक्षणिक संवाद की पत्रिकाएं

विद्या भवन सोसायटी एवं अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में प्रकाशित त्रैमासिक पत्रिकाएं खोजें और जानें, अंक–8 एवं शिक्षा की बुनियाद, अंक–7 का प्रकाशन हुआ।

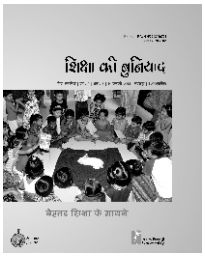

शिक्षा की बुनियाद, अंक–7 में लेखकों ने अपने विचार अभिव्यक्त किए हैं। ऋचा गोस्वामी ने अच्छी शिक्षा की कुछ शर्तों का जिक्र किया है तो रमाकांत अग्निहोत्री ने अच्छी शिक्षा क्या है इस पर प्रकाश डाला है।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के बारे में अलग–अलग समझ पर चर्चा करते हुए हृदय कांत दीवान ने उसे शिक्षा के उद्देश्यों से जोड़ने का प्रयास किया हैं। फिर गुणवत्ता की जांच का आधार क्या हो– इस महत्त्वपूर्ण प्रश्न पर भी चर्चा की।

अनुराग बेहार अपने आलेख में कहते हैं, 'भारत की शिक्षा तब तक नहीं सुधर सकती जब तक कि सार्वजनिक शिक्षा के तंत्र को नहीं सुधारा जाता।' उन्होंने शिक्षा के निजीकरण की व्यवस्था के मिथक पर चोट की है। बेहतर शिक्षा के विभिन्न पहलुओं को अलग–अलग आलेखों में उभारा गया है। साथ ही इस अंक में काम केन्द्रित शिक्षा मॉडल पर स्थापित आधारशिला लर्निंग सेंटर के दर्शन, शिक्षण के तरीकों, क्रिया–कलापों का सजीव चित्रण किया है– सिद्धार्थ जैन ने।

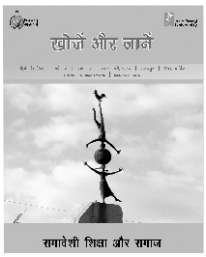

खोजें और जानें, अंक–8 में रमाकांत अग्निहोत्री अपने आलेख 'नए समाज की परिकल्पना' में कहते हैं जिन लोगों को हमने अपनी अज्ञानता के कारण विकलांगों की श्रेणी में रखा है, उन्हें हमारी दया और छात्रवृत्तियों की आवश्यकता नहीं है। आवश्यकता है कि हम संवेदनशीलता से एक नए समाज की रचना करें। लेखक ने इसके लिए कई उपाय सुझाए हैं।

राजेश जोशी की कहानी 'आलू की आंख' उनके शिक्षकीय अनुभव की बानगी है। बड़ी रोचक शैली में लेखक ने शिक्षा व्यवस्था, अकादमिक स्थितियों और शिक्षक की मानसिक स्थिति का चित्रण किया है।

समाज में घट रही तमाम घटनाओं के बीच अपने बच्चों के सवालों के जवाब खोजते हुए एक संवेदनशील और सजग मां बेजी जैसन, जो स्वयं एक बाल रोग विशेषज्ञ हैं, का पत्र भी इस अंक में है, जो शिक्षकों के लिए बहुत उपयोगी है।

समावेशी शिक्षा के अलग–अलग पहलुओं को इस अंक में छुआ गया है। साथ ही एक ऐसे स्कूल की कल्पना, जहां बच्चों को नियमित, शांतिमय और अवसरग्राही वातावरण मिले, को साकार करते आनंद निकेतन स्कूल में अपने अनुभवों को शिक्षिका वर्षा ने साझा किया है।

याद रहेंगे प्रो. जगत मेहता

विद्या भवन सोसायटी के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर जगत मेहता का गत 6 मार्च 2014 को निधन हो गया।

डॉ. मोहन सिंह मेहता व श्रीमती हुलास कुंवर के सुपुत्र जगत मेहता का जन्म 17 जुलाई 1922 को उदयपुर में हुआ था। उनकी प्रारंभिक शिक्षा विद्या भवन स्कूल में और उच्च शिक्षा इलाहाबाद विश्वविद्यालय में हुई। जगत जी बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे। शिक्षा, नौसेना, प्रशासन (भारत सरकार के विदेश सचिव) तथा सामाजिक कार्यों में उन्होंने अपना योगदान दिया।

पद्मभूषण से सम्मानित जगत मेहता 1947 से 1980 तक विदेश सेवा में रहे। वे 1985–1995 तक सेवा मंदिर एवं 1993–2000 तक विद्या भवन सोसायटी के अध्यक्ष रहे। जगत साहब ने 1986 से 2014 तक डॉ. मोहन सिंह मेहता मेमोरियल ट्रस्ट के प्रन्यासी तथा झील संरक्षण समिति की अध्यक्षता का दायित्व भी संभाला। इन संस्थाओं में उनके अभूतपूर्व योगदान के लिए वे सदा याद किए जाएंगे।

प्रोफेसर जगत मेहता ने अपने अनुभवों पर पुस्तकें लिखी हैं और कई विश्वस्तरीय जर्नल्स में उनके लेख प्रकाशित हुए हैं। वे अमेरिका के टेक्सास विश्वविद्यालय में विजिटिंग प्रोफेसर भी रहे।

विद्या भवन परिवार की ओर से हार्दिक श्रद्धांजलि।

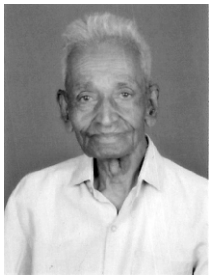

देश के जीवन-तत्व से ओतप्रोत हो शाला का वातावरण

विद्या भवन स्कूल के प्रथम इतिहास शिक्षक श्री नारायण लाल वर्मा के अनुसार, ''हमारे देश का जीवन तत्व सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतान्त्रिक गणराज्य'' के बीज में है, जो देश में चहुंओर फलित हो रहा है– (1) सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय में, (2) विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतन्त्रता में, (3) प्रतिष्ठा और अवसर की समता में, (4) व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता सुनिश्चित करने वाली बन्धुता में।

अस्तु, ये बातें नहीं हैं, यह सब वास्तविकता है, यथार्थ है जिनका प्रमाण विद्यालय की जीवन धारा में मिलना चाहिए। विद्यालय का समूचा वातावरण इनसे ओतप्रोत एवं सन्नद्ध होना चाहिए। उसके हर क्रिया–कलाप में इन वास्तविकताओं की गूंज होनी चाहिए, जिससे बच्चे उन्हें धारण कर सकें इस विश्वास के साथ ही कि देश की समृद्धि और खुशहाली इनमें ही है और स्वयं की भलाई देश की भलाई में सुनिश्चित करें।"

श्री नारायणलाल वर्मा शतायु हुए और 18 मार्च 2014 को उनका देहावसान हुआ।

Book-Post (Printed Matter)

If undelivered please return to:
Vidya Bhawan Education Resource Centre
Vidya Bhawan Society Campus,
Dr. Mohan Sinha Mehta Marg,
Fatehpura, Udaipur(Raj.) - 313004
Phone : 0294-2451497
e-mail : vbkhojkhabar@gmail.com

To,
.....
.....
.....
.....

प्रकाशक : विद्या भवन शिक्षा संदर्भ केन्द्र, डॉ. मोहन सिंह मेहता मार्ग, विद्या भवन सोसायटी परिसर, उदयपुर (राज.) फोन : 0294–2451497
मुद्रक : चौधरी ऑफसेट, 11–12 गुरु रामदास कॉलोनी, एम.बी. कॉलेज के सामने, उदयपुर (राज.) फोन : 0294–2584071